© 2024 IJNRD | Volume 9, Issue 3 March 2024| ISSN: 2456-4184 | IJNRD.ORG

IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

मुस्लिम महिला उधमियो की सामाजिक एवम आर्थिक स्थिति का अध्ययन

[छिन्दवाड़ा जिला के संदर्भ में]

डा पूजा तिवारी
सह प्राध्यापक एवम विभागाध्यक्ष
समाजशास्त्र विभाग
शासकीय महाविद्यालय बिछुआ
जिला - छिन्दवाड़ा म.प्र.

शोध सार - महिला उद्यमिता को किसी भी देश की आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण कारक माना जाता है /महिला उधमी न केवल खुद को आत्मनिर्भर बनाती है बल्कि दूसरों के लिए भी रोज़गार का सृजन करती है /
वर्तमान में हमारे देश में महिलाओं द्वारा कई उधम चलाये जा रहे हैं और इनसे बड़ी संख्या में लोगो को रोज़गार मिल रहा है /महिलाओं की यह कारोबारी भागीदारी देश के विकास में अहम भूमिका निभा रही है ,साथ ही महिलाएं स्वयं आगे बढ़ते हुए दूसरी महिलाओं को भी सशक्त एवम आत्मनिर्भर बनाने में मददगार बन रही हैं /महिला उधमी देश के मानव संसाधन का अहम हिस्सा है,इसके बावजूद भी कारोबारी परिवेश में आज भी महिला नेतृत्व वाले संस्थानों के प्रति लोगों में असहजता तथा अविश्वास का माहौल देखने को यदा कदा मिल जाता है /भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में रोज़गार के अवसर सृजन करने में महिला उधमियों की इस महत्ती भूमिका पर गौर किया जाना ज़रूरी है.

शब्द कुंजी - महिला ,उधमी ,सशक्त ,सामाजिक ,आर्थिक, स्थिति ,मुस्लिम

प्रस्तावना - मानव पूंजी की पोषिका ,परिवार की पालनहार ,शक्ति का रूप ,नारी आज घर से बाहर निकल कर मर्दों से कंधे से कन्धा मिला कर कामयाब बन रही है ,आज परिवर्तित माहौल में नारियां राजनीती ,प्रशासन ,शिक्षा ,बड़े व्यापार से लेकर समाजसेवा तक के क्षेत्रों में अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज करवा रही है / महिलाओं की जागरूकता से आज समाज एक नयी उड़न की ओर अग्रसर हो रहा है /किसी भी सभी समाज की स्थिति उस समाज की महिलाओं

की दशा देख कर मालूम की जा सकती है / महिलाओं की स्थिति में देश काल के अनुसार परिवर्तन होता है /भारतीय सविधान में पुरुषों और महिलाओं को समान दर्जा दिया गया है किन्तु अलग अलग समुदायों में महिलाओ को एक समान अधिकार नही दिए गये है ,धर्म ,कर्मकांड के नाम पर महिलाओं को पीछे रखने की कोशिश की जाति रही है ,इसी तारतम्य में इस शोध पत्र के माध्यम से मुस्लिम समाज की महिला उधमियों की सामाजिक और आर्थिक प्रस्थिति को देखने और समझने का प्रयास किया गया है /
महिला उधमी देश के मानव संसाधन का एक अहम हिस्सा है किन्तु आज भी कई लोग महिला नेतृत्व को स्वीकार करने में हिचकते है ,राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के अनुसार भारत के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में से मात्र चौदह फीसद महिलाओं द्वारा संचलित हैं इनमे से अधिकांश उधम छोटे स्तर के और स्व वित्त पोषित हैं /

महिला उधमी किसे कहते है - वे महिलाएं जो व्यवसाय या उधम को संचालित करती हैं और आर्थिक क्षेत्र में नवाचार को अपनाती है वो महिला उधमी कहलाती हैं /
महिलाओ के उधमी बनने के कई कारण हो सकते है जैसे आर्थिक स्वतंत्रता ,
नयी पहचान ,जोखिम उठाने की क्षमता ,आत्मविश्वास ,समानता ,स्वयं को साबित करने की ललक आदि इन सभी की पूर्ति करने में आज समस्त वर्गो धर्मोए समुदायों की महिलाएं प्रतिबद्ध हैं ,इस शोध कार्य में मुस्लिम समुदाय की महिलाओं को केन्द्रित किया गया है जो अपना उधम संचालित कर रही है /

शोध का उद्देश्य - 1.मुस्लिम महिला उधमियों की सामाजिक स्थितिं को जानना /
2. मुस्लिम महिला उधमियों की आर्थिक स्थिति को जानना /
3. मुस्लिम महिला उधमियों के समक्ष आने वाली चुनौतियों को जानना /
4. मुस्लिम महिला उधमियों के मन की बात जानना /
अध्ययन क्षेत्र - छिन्दवाड़ा मुख्यालय के पांच मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र जो क्रमश दीवानजी मोहल्ला ,कर्बला चौक ,शिव नगर कॉलोनी , नूरी मस्जिद क्षेत्र ,हुसैन नगर को अध्ययन क्षेत्र के रूप में चुना गया है /

उतर दाताओं का चयन - चयनित अध्ययन क्षेत्र की 50 महिला उधमी को निदर्शन पद्धति से चयन करके साक्षात्कार अनुसूची से एवम उनसे अनौपचारिक वार्तालाप करके शोध पत्र को तैयार करने का प्रयास किया गया है / हर क्षेत्र से 10 महिया का चयन किया गया है /

तालिका 01

मुस्लिम महिला उधमी के व्यवसाय सम्बन्धी जानकारी

क्रमांक	व्यवसाय का नाम	उधमी की संख्या
1	बुटिक व्यवसाय	17
2	ब्यूटी पार्लर	15
3	फुट वेयर व्यवसाय	07
4	चूड़ी मनिहारी	05
5	कपडा व्यवसाय	03
6	किराना दुकान	03

कुल 50

तालिका क्रमांक 1 से स्पष्ट शोध अध्ययन क्षेत्र में मुस्लिम महिला उद्मियो में सबसे ज्यादा महिलाये स्वयं का बुटिक व्यवसाय कर रही है जो खुद के घर से संचालित करती है ,इसके बाद ब्यूटी पार्लर ,फुट वेयर व्यवसाय चूड़ी मनिहारी ,कपडा व्यवसाय ,किराना दुकान व्यवसाय कर रही है

उपरोक्त तालिका से मुस्लिम महिलाओं की सामाजिक स्थिति का पता लगता है इनमे से लगभग सभी महिलाओं ने माना की आज भी मुस्लिम समुदाय में महिलाओं को किसी दूसरे के साथ व्यवसाय करने नही दिया जाता है ,उपरोक्त सभी महिलाये स्वयं के घर या खुद की दुकान से व्यवसाय करती हैं /

तालिका 2

मुस्लिम महिला उधमियों के शिक्षा सम्बन्धी जानकारी

क्रमांक	शिक्षा	संख्या
1	प्राथमिक	05
2	हाई स्कूल	15
3	स्नातक	20
4	स्नातकोत्तर	10

तालिका क्रमांक 2 से मुस्लिम महिला उद्मियों की शिक्षा की जानकारी मिलती है क्योकि महिला शिक्षा और सशक्तिकरण का खास सम्बन्ध होता है सबसे ज्यादा महिलाओ ने स्नातक तक की पढाई की है और इनमे से 15 महिलाओं ने कला संकाय एवम 05 महिलाओं ने कामर्स संकाय से स्नातक किया है महिलाओं ने बताया उन्होंने कन्या महाविद्यालय से या प्राइवेट स्टडी की है / स्नातकोत्तर 10 महिलाओं ने किया है जिसमे से 8 महिलाओं ने समाजशास्त्र ,

और 1 महिला ने अर्थशास्त्र ,1 महिला ने राजनीती शास्त्र से पढाई की है स्पष्ट है की मुस्लिम महिलाओं में समाजशास्त्र विषय को लेकर ज्यादा रूचि है /

हाई स्कूल पास 15 महिलाओं ने कन्या विद्यालय से पढाई की है जबकि

प्राथमिक शिक्षित महिलाओ को आगे पढाई न कर पाने का आज भी अफ़सोस है ये समस्त महिलाये चूड़ी ,मनिहारी का व्यवसाय कर रही है इनमे से एक महिला व्यापारी ने अनापचौरिक वार्तालाप में बताया की वो एक मात्र महिला व्यापारी है जो खुद की मारुती वेंन खुद चला कर अन्य साप्ताहिक बाज़ारों में जा कर चूड़ी मनिहारी का समान बेच कर अच्छा मुनाफा कमाती है ,केवल उनको खुद का कम पढ़ा लिखा होना अखरता है /

तालिका 3

मुस्लिम महिला उधमियों की विभिन्न समस्या से सम्बन्धित जानकारी

क्रमांक	समस्या का विवरण	हाँ	नहीं	कुल संख्या
1	आत्मविश्वास की कमी महसूस करती हैं	05	45	50
2	जोखिम लेने की कम क्षमता	40	10	50
3	पारिवारिक समस्याए आड़े आती है	35	15	50
4	संचार साधनों और तकनिकी ज्ञान की कमी लगती है	05	45	50
5	आर्थिक स्वतंत्रता है	40	10	50
6	घर में बड़े निर्णय में राय ली जाती है	45	05	50
7	शासकीय योजनाओं की जानकारी है	42	08	50
8	क्या आप अनिवार्य रूप से नकाब लगाती है यदि हा तो स्वेच्छा से या परिवार के दबाव से	05 स्वेच्छा से	45	50
9	क्या आप परिवार में लिंग भेद महसूस करती है ,हा /नहीं	निरंक	50	50
10	मुस्लिम समाज में महिलाओं की आर्थिक सामाजिक स्थिति में परिवर्तन आया है	46	04	50
11	महिला कानूनों की जानकारी है	40	10	50

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है की मुस्लिम महिला उधमियों में पर्दा प्रथा नही के बराबर है और जो महिलाये पर्दा करती वो भी अपनी मर्ज़ी से ,लगभग सभी को महिला कानून की जानकारी है ,और ये माना गया की मुस्लिम समाज की महिलाओं के जीवन में बदलाव आया है ,और परिवार में लिंग भेद का सामना नही करना पड़ा है ,संचार के साधनों और तकनीक

का ज्ञान है ,घर के बड़े निर्णय में भागीदारी है ,शासकीय योजनाओं की जानकारी रखती है ,आर्थिक रूप से सशक्त है किन्तु उनके कार्यों में पारिवारिक समस्याए कभी कभी बाधा बन जाती है और वो शिक्षा को महिला सशक्तिकरण का एक उचित माध्यम मानती है शिक्षा से आत्मविश्वास आता है /

इस प्रकार से मुस्लिम महिला उधमियों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति के विषय में उन महिलाओं से बातचीत करके और साक्षत्कार अनुसूची के द्वारा ये तथ्य सामने आये की आज मुस्लिम महिलाओं की सामाजिक स्थिति बदल रही है समाज में पर्दा प्रथा कम हो रही है ,महिला के अस्तित्व को स्वीकार किया जाने लगा है ,उनकी सलाह ली जाने लगी है ,केवल एक या दो संतान पैदा करके परिवार नियोजन कार्यक्रम में योगदान दिया जा रहा है /

महिलाये स्वयं गाड़ी चला रही है और अपना व्यापार भी बखूबी चला रही है

मुस्लिम महिला उधमियों की आर्थिक स्थिति भी बहुत मज़बूत दिखाई दी

आज महिलाये अपने मर्ज़ी से धन का उपयोग कर रही है किन्तु सभी नेमाना की वो फिजूलखर्ची नही करती है और अपने धन उपार्जन से घर में आर्थिक सहयोग करती है /

आज कहा जा सकता है की समाज में आज कामकाजी महिलाओं का सम्मानीय स्थान है ,मुस्लिम महिलाये घर से ही व्यापर चलाकर ,या बाहर नौकरी करके सक्रिय हैं एवम इसके साथ वो घर की जिम्मेदारी भी निभा रही है,आज महिलाये दोनों जिम्मेदारी बखूबी निभा रही है आज मुस्लिम महिलाये हर क्षेत्र में आगे दिखाई दे रही है /

निष्कर्ष - आज हमारे यहाँ सामाजिक परिवेश बदल रहा है ,महिलाये अपने निर्णय खुद ले रही हैं और सभी क्षेत्रों में सक्रिय हैं ,यह बदलाव लैंगिक समानता को भी इंगित करता है ,बुनियादी सोच का यह बदलाव और महिलाओं में उधम कौशल विकास को गति देने वाला अहम कारक बन सकता है /

भारत में कई धर्म और जाति के लोग निवास करते है ,सभी समुदायों के परम्परागत नियम होते है इसलिए भारत में महिला उधमियों के समक्ष कई चुनौतियाँ है ,जिनका सामना सभी को मिल कर करना होगा ताकि महिलाये

उधमिता के क्षेत्र में मिलने वाले सुनहरे अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सके /

आज मुस्लिम महिलाओं के जीवन में जो बदलाव आया है उसके पीछे महिला

उधमिता ही मुख्य कारण है आज मुस्लिम महिलायें भी भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में अपना योगदान दे रही है जिससे आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होते दिखाई दे रहा है ,जिसमे सरकार के साथ साथ आम नागरिको का योगदान भी है /

संदर्भ ग्रन्थ सूची – 1. शर्मा मोनिका ,महिला उधमियों की चुनौतियाँ ,जनसत्ता दिनांक 27 फरवरी 2020

2. सिंह डा राम समुझ भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति एवम सामाजिक समस्याए ;एक समाज शास्त्रीय अध्ययन कुएस्ट जर्नल 2019

3. श्रीवास्तव डा नीलम ,21 वी सदी में भारत में महिला

उधमियों के समक्ष आने वाली बढ़ाएं एवम भविष्य में सम्भावनाये -एक अध्ययन ,2022 ,रिसर्च जर्नल ऑफ़ आर्ट्स ,मेनेजमेंट एंड सोशल साइंसेज का वार्षिक विशेषांक

4 · बरुआ ,डा श्रीमती बी ·,महिला उधमियों हेतु अवसर एवम चुनौतियाँ ,कुरु क्षेत्र ,फ़रवरी 2020

5 · शोध क्षेत्र में चयनित मुस्लिम महिला उधमियों से वार्तालाप करके जानकारी

6· सेनगुप्ता ,जय श्री ,महिला दिवस ; भारतीय महिलाओं के लिए चुनौतियाँ ,सहारा समय 06 मार्च 2020